भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3755
उत्तर देने की तारीख 24 मार्च, 2025
3 चैत्र, 1947 (शक)

केआईएस के तहत छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का चयन

†3755. श्री सी. एन. अन्नादुरई:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य में खेलो इंडिया योजना (केआईएस) के अंतर्गत छात्रवृत्तियों के लिए वर्षवार कुल कितने छात्रों का चयन किया गया है;

(ख) उक्त योजना के माध्यम से खिलाड़ियों को मिलने वाले संभावित लाभों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार उन उद्देश्यों को प्राप्त कर पाई है जिनके लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स आयोजित किए गए थे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) गांवों सहित दूरस्थ, अल्प-विकसित क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) पिछले तीन वर्ष के दौरान तमिलनाडु राज्य से खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत छात्रवृत्ति के लिए चुने गए कुल छात्रों की संख्या निम्नानुसार है:

2021-22	2022-23	2023-24
101	167	173

(ख) खेलो इंडिया स्कीम के घटक "खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां" के अंतर्गत, पहचानी गई प्रतिभाओं को मान्यता प्राप्त खेलो इंडिया अकादमियों में शामिल होने का विकल्प दिया जाता है और प्रशिक्षण व्यय, कोचिंग, प्रतियोगिता एक्सपोजर, शिक्षा, उपकरण सहायता, वैज्ञानिक सहायता आदि के लिए प्रति वर्ष 6.28 लाख रुपये की वित्तीय सहायता [जिसमें 1.20 लाख रुपये आउट ऑफ पॉकेट भत्ता (ओपीए) शामिल है] भी प्रदान की जाती है।

(ग) जी, हाँ। खेलो इंडिया स्कीम का उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और खेल उत्कृष्टता हासिल करना है, जिससे जनता को इसके व्यापक प्रभाव के माध्यम से खेलों की शक्ति का दोहन करने का अवसर मिल सके। यह युवाओं के बीच खेलों के व्यापक आधार और पूरे देश में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। अब तक, 01 खेलो इंडिया स्कूल गेम्स और खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) के 05 संस्करण आयोजित किए गए हैं। इन खेलों के तकनीकी संचालन का मानदंड अंतर्राष्ट्रीय सतर का है। इन खेलों में 29,000 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया है, जिनमें से 2812 एथलीटों को खेलो इंडिया एथलीट के रूप में चुना गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण और एक्सपोजर प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न पहल की गई हैं, जिसमें मान्यता प्राप्त अकादमियों में खेलो इंडिया एथलीटों का प्रशिक्षण शामिल है। इसके अतिरिक्त, ये एथलीट विभिन्न मंचों पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिससे उनकी क्षमताएं बढ़ती हैं और भविष्य की राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए देश की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत होती है।

(घ) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय गांवों सहित दूरदराज के अविकसित क्षेत्रों सहित पूरे देश में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित स्कीमें क्रियान्वित करता है:

(i) "खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम" स्कीम; (ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता; (iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के विजेताओं और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार; (iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार; (v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन; (vi) पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण स्कीम; (vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि; और (viii) भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्र।

उपरोक्त स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

*****